पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0
(राजभवन सूचना परिसर)
———————

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर के नैक मूल्यांकन प्रस्तुतिकरण की समीक्षा की

———————

उत्तर प्रदेश के विश्वविद्यालयों में देश का प्रतिनिधित्व करने की क्षमता

———————

सरकारी योजनाओं से समाज में बदलावों को शोध का विषय बनाएं

———————

छात्रों की क्षमता संवर्द्धन और व्यावहारिक ज्ञान देने वाले प्रोजेक्ट कार्य कराएं

———————

प्राइमरी स्कूलों को गोद लेकर गरीब छात्रों को उच्च शिक्षा तक ले जाएं

———————

स्लम एरिया में बच्चों की शिक्षा के प्रति जागरूकता लायें और शिक्षा का प्रसार करें

– राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल

———————

विश्वविद्यालय में परम्परागत खेलों को बढ़ावा दें

–उच्च शिक्षा मंत्री श्री योगेन्द्र उपाध्याय

———————

लखनऊः 02 जुलाई, 2022

उत्तर प्रदेश की राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने आज यहां राजभवन स्थित प्रज्ञाकक्ष में छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर की नैक मूल्यांकन के प्रस्तुतिकरण की समीक्षा की। विश्वविद्यालय पहले भी दो बार नैक की ग्रेडिंग प्राप्त कर चुका है, अब तीसरी बार नैक मूल्यांकन हेतु अपना एस.एस.आर. दाखिल करने जा रहा है। राज्यपाल जी ने विश्वविद्यालय द्वारा की गई तैयारियों की नैक मूल्यांकन के सभी सात क्राइटेरिया पर बिंदुवार कमेटी के सदस्यों से जानकारी ली। उन्होंने कहा प्रदेश के विश्वविद्यालयों में देश का प्रतिनिधित्व करने की क्षमता है।

प्रस्तुतिकरण के अवलोकन के दौरान राज्यपाल जी ने विविध बिंदुओं पर आवश्यक सुधार के निर्देश दिए। उन्होंने हाल ही में चण्डीगढ़ स्थित उत्कृष्ट नैक ग्रेड प्राप्त विश्वविद्यालयों का उदाहरण देते हुए कहा कि छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय में भी शोध विषयों में नवीनता लायी जाये। उन्होंने कहा कि देश और प्रदेश में लागू सरकारी योजनाओं से समाज में बड़ा बदलाव आया है, जो कि

शोध का नया विषय हो सकता है। उन्होंने इस संदर्भ में पंजाब विश्वविद्यालय, मोहाली, चण्डीगढ़ में हुए प्रभावी शोध कार्यों का उदाहरण भी बताया।

इसी क्रम में राज्यपाल जी ने नवाचार के बिंदु पर भी प्रस्तुतिकरण को सशक्त करने के लिए विविध सुझाव दिए। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के छात्रों को क्षमता संवर्द्धन, व्यावहारिक ज्ञान और सामाजिक सहयोग वाले छोटे–छोटे प्रोजेक्ट कार्यों से जोड़ा जाए। उन्होंने कहा जेल, वृद्धाश्रम, अनाथ आश्रम जैसे स्थलों पर प्रोजेक्ट वर्क से सामाजिक लाभ मिलेगा, छात्रों में व्यावहारिक समझ बढ़ेगी और नैक मूल्यांकन में अधिक अंक स्कोर हो सकेंगे।

प्रस्तुतिकरण में वेस्ट प्रैक्टिस बिंदु पर समीक्षा करते हुए उन्होंने विश्वविद्यालय को पिछड़े क्षेत्रों में स्थापित प्राइमरी स्कूलों को गोद लेने को कहा। उन्होंने कहा विश्वविद्यालय उन स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों को उच्च और बेहतर शिक्षा तक लाये जिससे उन क्षेत्रों में रहने वाले बच्चे भी चिकित्सा, इंजीनियरिंग, शिक्षण आदि के प्रसिद्व क्षेत्रों में अपना कैरियर बना सकें। उन्होंने इसी क्रम में ऐसे स्लम एरिया में भी शिक्षा के प्रति जागरूकता लाने और शिक्षा का प्रसार करने को कहा जहां बालपन से ही माता–पिता द्वारा बच्चों को श्रम कार्यों से जोड़ दिया जाता है।

बैठक में उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय ने विश्वविद्यालय में भारत के परम्परागत खेलों की व्यवस्था कराने को कहा। उन्होंने विश्वविद्यालय के छात्रावासों में इसे बढ़ावा देने को कहा। उन्होंने विद्यार्थियों को योगाभ्यास, प्रकृति प्रेम और स्वच्छता की जागरूकता से भी जोड़ने को कहा।

विश्वविद्यालय के कुलपति विनय कुमार पाठक ने बैठक में विश्वविद्यालय प्रबंधन में विविध प्रशासनिक तथा अकादमिक नियमों के कारण आ रही व्यावहारिक समस्याओं पर भी चर्चा की गई। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा नैक मूल्यांकन के लिए अपनी सेल्फ स्टडी रिपोर्ट (एस.एस.आर.) दाखिल करने से पूर्व शत्–प्रतिशत बेहतर तैयारियां की जा रही हैं। इन तैयारियों में राज्यपाल के सभी निर्देश, नैक मंथन से प्राप्त जानकारियों तथा चण्डीगढ़ के उच्च नैक ग्रेड प्राप्त शिक्षा संस्थानों के भ्रमण से प्राप्त अनुभवों का समग्रता से उपयोग किया जा रहा

है। उन्होंने अपनी तैयारियों को उत्कृष्ट बताते हुए नैक मूल्यांकन में "ए++" ग्रेड प्राप्त होने की आशा व्यक्त की।

इस अवसर पर बैठक में अपर मुख्य सचिव राज्यपाल श्री महेश कुमार गुप्ता, विशेषकार्याधिकारी शिक्षा राजभवन, तथा नैक तैयारी के लिए विश्वविद्यालय द्वारा गठित टीम के समस्त सदस्यगण उपस्थित थे।

———————

डा0 सीमा गुप्ता–सूचना अधिकारी /राजभवन (246/02)
सम्पर्क सूत्र– 8318116361

CSJM
UNIVERSITY
Recommendation of NAAC Peer Team visited in March 2015 for Quality Enhancement of the Institution